GENDER EQUALITY POLICY

GOVT DB GIRLS' PG COLLEGE, RAIPUR CG

2022

GENDER POLICY

Govt. DB Girls' PG Autonomous College works with the motto to ensure that the relevance of Gender Equity and equality is accepted in the overall development process of students Gender equality means equal outcomes for women. Gender equity recognizes that women are not in the same "starting position" as men. This is because of historical and social disadvantages. The college thus following principles and measures of gender equity aims to empower women students particularly the ones coming from backward classes of society by contributing to their psychological, social and intellectual growth. It engages students, through various workshops, seminars, panel discussions and helps them understand and protect rights of women according to the provisions in the acts and constitutions of India.

College functions to fulfil the following objectives:

1. To provide Social, Educational and Economic Empowerment to women students.

2. To create social awareness about the problem of women particularly regarding gender discrimination.

3. To prevent sexual harassment and to promote general wellbeing of students and female employees.

4. To enable students understand women's rule in society.

To develop multi-disciplinary approaches for the overall personality development.

5. To organise activities, competition, seminars, workshops relating to women development.

6. To develop a sense of self confidence among the students and female employees.

7. Persistent sensitizing and capacity building of students.

8. To guide student and spread awareness about women welfare.

9. To assert the importance of spiritual, economic, social, racial and gender equality.

10. To highlight the importance of health nutrition and hygiene in women.

11. To spread awareness about the requirements of girls hygiene, health, nutrition, education and safety among society.

To accomplish these objectives, the college focuses on following effective measures.

- 24*7 headline for students. The details of teachers available for help are present on the college website and displayed prominently on the college walls.
- Consent monitoring of campus through CCTVS.
- Constitution of internal complaints committee as per Guidelines of Government and RSU.
- Constitution of women welfare advisory committee.
- Girls common room for relaxing, changing and playing indoor games.
- Women security guard at main gate during college timings.
- Cleaning of washrooms by female housekeeping.

Gender sensitization and women empowerment

- Constitution of gender sensitization committee with students gender champion nominated/elected to spread the message of gender requirements in equality.
- Gender champion: weekly helpdesk, constant interaction with other Students, organisation of seminars, panel discussion, interactive session etc.
- Self-defence workshops
- Awareness campaigns, poster making, slogan writing, wall graffiti, story writing etc.
- Monthly movie screening related to gender issues.

Physical and mental well being

- Interactive with eminent specialist doctors dieticians and nutritionists.
- Focus on hygiene by installation of sanitary pads vending machine in Girls common room.
- Availability of psychologist counsellor.
- College work with the motto "Beti Bachao Beti Padhao"
- College encourages female students particularly the ones coming from backward classes.
- Women topper of each class felicited at suitable occasions.
- Opportunity to students to share the review and thoughts in the monthly magazine.

Committee Members:

1. Dr Shraddha Girolkar, Professor and Head
2. Dr. Preeti Sharma, Professor
3. Dr. Pramila Nagwanshi, Asstt. Professor

4.8.22

(Dr. Kiran Gajpal)
Principal
Govt. D.B. Girls' P.G. College,
Raipur (C.G.)

GOVT DB GIRLS' PG COLLEGE, RAIPUR CHHATTISGARH

NATIONAL WEBINAR

ON

"GENDER EQUALITY TODAY FOR A SUSTAINABLE TOMORROW"

06TH OF MARCH 2023

TIME- 12.00 PM

ORGANIZED BY

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

Brochure

Department of Sociology
GOVT. D.B. GIRLS'
P.G. AUTONOMOUS COLLEGE
RAIPUR (C.G.)
in Collaboration With
Khun Khunji Girls' P.G. College
Lucknow (U.P.)
Under the Aegies of IQAC
is organizing
NATIONAL WEBINAR
Date : 06-03-2023 Time : 12.00 PM
on the Occasion of
INTERNATIONAL
WOMEN'S DAY
on
"Gender Equality Today
for a
Sustainable Tomorrow"

Eminent Speakers
Prof. Rakesh Chandra
Head Dept of
Philosophy and Women Studies
University of Lucknow
Dr. Rajni Bala
Associate Professor and
Head Dept of Sociology
BUC College Batala, Gurdaspur (Punjab)
Organizing Committee
:- Patron :-
Dr. Kiran Gajpal
Principal
D.B. Girls' P.G. College, Raipur
Prof. Anshu Kedia
Principal
Khun Khunji Girls' P.G. College, Lucknow
:- Convener :-
:- Organizing Secretary :-
Dr S.Girolkar
Professor & Head Sociology
Dr. Preeti Sharma
Professor Sociology
:- Co Convener :-
:- Members :-
Dr. Manisha Upadhyay
Dr. Anamika Singh Rathore
Dr. Vijeta Dixit
Dr Maneesha Mahapatra
Professor Sociology

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 6.03.2023 को शासकीय दू.ब. महिला महाविद्यालय तथा खुन खुनजी गर्ल्स पीजी कॉलेज लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन प्राचार्य डॉ. किरण गजपाल तथा प्राचार्य डॉ अंशु केडिया के निर्देशन में किया गया राष्ट्रीय सेमिनार का विषय के "स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता" था ।

Organizing Committee

Patron-

Dr. Kiran Gajpal

Principal, Govt. D.B. Girls' P.G. College, Raipur

Prof. Anshu Kedia

Principal, Khun Khunji Girls' P.G. College, Lucknow

Convener-

Dr S.Girolkar

Professor & Head Sociology, Govt. D.B. Girls' P.G. College, Raipur

Organizing Secretary-

Dr. Preeti Sharma

Professor Sociology, Govt. D.B. Girls' P.G. College, Raipur

Co-Convener-

Dr Maneesha Mahapatra

Professor Sociology, Govt. D.B. Girls' P.G. College, Raipur

Members-

Dr. Manisha Upadhyay

Asstt. Professor, Khun Khunji Girls' P.G. College, Lucknow

Dr. Anamika Singh Rathore

Asstt. Professor, Khun Khunji Girls' P.G. College, Lucknow

Dr. Vijeta Dixit

Asstt. Professor, Khun Khunji Girls' P.G. College, Lucknow

Programme Notice-

प्रति,

प्राचार्य
शास. दू.ब. महिला (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

विषय – **दिनांक 06.03.2023 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा वेबीनार की अनुमति हेतु।**

——00000——

महोदया,

समाजशास्त्र विभाग एवं खुन–खुंजी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 06.03.2023 को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया जाना है। कृपया अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें।

धन्यवाद ।

दिनांक : 04/03/2023

(डॉ. श्रद्धा गिरोलकर)
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
शासकीय दू.ब. महिला स्नात. महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

O.K.
4.3.23

Principal's Address

प्राचार्य डॉक्टर किरण गजपाल

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर किरण गजपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में पुरुष और महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त है। वर्तमान समय में कोई ऐसा काम नहीं है जिसे महिलाएं करने में सक्षम नहीं है, पूर्व में महिलाओं को इतने अधिकार प्राप्त नहीं थे परंतु वर्तमान समय में महिलाएं अपने हुनर और काबिलियत के माध्यम से दुनिया में अपना स्थान बना लिया है, इसी कारण आज के समय में महिलाओं के हुनर और काबिलियत को सरहाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाया जाता है सन 2023 में महिला दिवस की थीम जेंडर इक्वलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो इसका अर्थ है कि कल को बेहतर बनाने के लिए लैंगिक समानता होना जरूरी है। आज समाज और सरकार को महिलाओं के लिए और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं को समाज में एक आत्मसम्मान का अनुभव हो और पुरुषों के जैसे ही किसी भी कार्य को करने की स्वतंत्रता हो।

Programme Schedule

डॉ. उषा किरण अग्रवाल

आइक्युएसी कार्डीनेटर

डॉ. उषाकिरण अग्रवाल आइक्युएसी कार्डीनेटर ने अपने वक्तव्य में कहा की बच्चों का पालन पोषण माता पिता के द्वारा पुत्र और पुत्री का अलग अलग किया जाता है, पुत्री को अलग शीलगुणः जैसे दया, समायोजन, समझौता, कोमलता आदि सिखाया जाता है, वहीं पुत्र को जोखिम व्यवहार, प्रतिद्वंदिता, रफ़ एवं टफ होना सिखाया जाता है। इक्विटी और इक्वलिटी में फर्क भी डॉ उषा किरण के द्वारा बताया गया।

डॉ. श्रद्धा गिरोलकर
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित नेशनल वेबीनार में मैं समस्त नारी शक्ति को नमन करते हुए चंद लाइनों के साथ अपनी बात शुरू करती है।

अपना वजूद भूलाकर ना जाने कितनी रिवायते निभाती हैं

सलाम उस खातून को जो घर को घर बनाती है।

लैंगिक असमानता मानव इतिहास में अन्याय का सबसे निरंतर और व्यापक रूप है। महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा स्वास्थ्य समाज कामकाज राजनैतिक व आर्थिक प्रक्रियाओं में समान प्रतिनिधित्व दुनिया में बड़ा बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकता है। 2030 तक विकास एजेंडा का मुख्य लक्ष्य महिलाओं के प्रति हर तरह के भेदभाव और हिंसा का अंत करना तथा उन्हें समान अधिकार सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। मानवता तभी सर्वश्रेष्ठ

हो सकती है जब लैंगिक समानता सभी के लिए हर जगह एक वास्तविकता बन जाए। हमें ऐसा कार्य करना ही होगा हम करेंगे।

लैंगिक समानता का राष्ट्र उद्देश्य पुरुषों और महिलाओं के बीच सभी समानताओं और मतभेदों को दूर करना है लिंग समानता पुरुषों और महिलाओं के लिये समान अधिकार और अवसर सुनिश्चत करती है चाहे तो घर हो, या शैक्षणिक संस्थाएं हो या कार्यस्थल हों। वैश्विक विकास के लिये लैगिंक समानताओं को बनाए रखना आवश्यक है।

अब लिंगानुपात के क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा सकती है फिर भी दुनिया के कुछ हिस्से ऐसे जिसमें लडकियों और महिलाओं को हिंसा एवं भेदभाव का शिकार होना जारी है।

लैगिंक असमानता के गहन अंतर्निहित कारणों से लडने के लिये हमारे कानूनी और नियामक ढॉचे को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। हमे उम्मीद है कि पूरी दुनियां हमारे आधुनिक समाज में पुरूषों और महिलाओं के प्रयासों को समान रूप से जल्द ही पहचान लेगी।

डॉ प्रीति शर्मा

संगठन सचिव डॉ प्रीति शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार के राष्ट्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को मनाने का मंतव्य यही था कि महिलाओं को उनकी क्षमता प्रदान की जाए तथा महिला सशक्तिकरण किया जाए। मानसिकता कहे या जड़ता कहीं कहीं पुरुष महिलाओं को अपने से नीचा समझता आया है। इस मानसिकता में परिवर्तन करना बहुत जरूरी था और यह केवल महिलाओं को बेहतर अवसर प्रदान करके ही किया जा सकता है जब महिलाओं को अवसर प्रदान किया गया तथा महिला सशक्तिकरण किया गया तो महिलाओं ने अपने आप को बेहतर रूप से साबित किया। यह महिलाओं की योग्यता और समताओं का परिणाम हैं जो आज महिलाएं बेहतर स्थिति में है। मगर अभी भी महिलाओं के लिए काफी काम किया जाना बाकी है, बहुत से परिवर्तनों के बावजूद आज महिलाओं को संघर्ष करना पडता है। उन्हें शिक्षा सम्मान और समानता के लिए अभी भी बहुत संघर्ष करना पडता है।

आज विश्व में हर जगह लैंगिक समानता के बारे में चर्चा होती है परंतु आज भी विश्व भर में आर्थिक सुधारों के बाद भी 60% महिलाएं आर्थिक रूप से कमजोर है। आज भी विश्व में पुरुषों और महिलाओं की आमदनी में पर्याप्त विषमता है। इसके अलावा महिलाओं की विश्व राजनीति के क्षेत्र में भागीदारी केवल 24% ही है।

प्रोफेसर राकेश चंद्रा

वेबीनार के प्रथम वक्ता के रूप में दर्शन शास्त्र-विभाग एवं महिला अध्ययन विभाग, लखनउ विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राकेश चंद्रा ने अपने विचारों को व्यक्त किया। उन्होनें महिलाओं के पारपंरिक एवं आधुनिक दोंनों ही समय के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि हमें महिलाओं के समाज में उनके योगदानों को तत्कालिक परिपेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रही परंतु उनके कार्यो का कभी सम्मान नहीं किया गया और ना ही प्रमुखता दी गई, बल्कि उन्हें हमेशा हाशिए पर रखा गया। अपने विचारों में उन्होंने कई महिला लेखिकाओं, स्वतंत्रता सेनानियों एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की चर्चा की।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की गौरवमयी भागीदारी हुई। शारदा देवी, कस्तूरबा गांधी, विजयलक्ष्मी पंडित, कमला नेहरू, सरोजनी नायडू आदि की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लेखन के क्षेत्र में महादेवी वर्मा, सुभद्राकूमारी चौहान, अमृता प्रीतम, मालती जोशी, मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, कृष्णा सोबती, मृणाल पांडे आदि मनीषाओं के नामों की लंबी सूची है, नारी केवल नारी नहीं है अपितु वह काव्य और प्रेम की प्रतिमूर्ति है, नारी पृथ्वी की कल्पलता है।

प्रोफेसर डॉ. रजनी बाला

वेबीनार के द्वितीय सत्र में समाजशास्त्र विभाग बी यू सी कॉलेज, बटाला गुरदासपुर (पंजाब) की विभागाध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रजनी बाला ने नारीवाद की विभिन्न धाराओं एवं नारीवादी आंदोलन के विभिन्न स्वरूपों की चर्चा की तथा यूरोपीय नारीवाद आंदोलन और वैष्विक नारीवाद आंदोलन में अंतर भी स्पष्ट किया। अपने विचारों में उन्होने कहा कि पुरषों को समाज में उच्च स्थान मिला है जबकि महिलाएं हमेंशा वस्तु समझी जाती रही है, समाज में आज भी सारे निर्णय पुरषों के द्वारा लिये जाते है। अंत में उन्होनें कहा कि महिलाओं का ये संघर्ष पुरषों से नही बल्कि समाज सुधारने का एक एजेंडा है जिसका उद्देश्य महिलाओ को उनके अधिकार दिलाना एवं समान अवसर उपलब्ध कराना है।

डॉ मनीषा महापात्र

सह संयोजक: डॉ मनीषा महापात्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि दोहरे दायित्वों से लदी महिलाओं ने अपनी दोगुनी शक्ति का प्रदर्शन कर दिया है समाज कि उन्नति आज केवल पुरषो के कंधों पर नहीं है, बल्कि उनके हाथों का सहारा लेकर भी उंचाइयों की ओर अग्रसर होती है उन्नत राष्ट्र की कल्पना तभी यर्थाथ रूप धारण कर सकती है जब मातृशक्ति सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करे। मातृशक्ति तो स्वंयसिद्धा है, वह गुणों की संपदा है आवशयकता है तो बस उसे प्रोत्साहन देने की "स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि जिस राष्ट्र कि स्त्रियां शिक्षित, सक्षम और संपन्न है वही राष्ट्र समृद्धिशाली हो सकता है " गांधीजी ने भी कहा था कि ''मैं स्त्रियों के अधिकारों के मामलो में कोई समझौता स्वीकार नही कर सकता, मेरी राय में कानून की तरफ से स्त्री के लिये ऐसी कोई रूकावट नहीं होना चाहिए जो पुरषो के लिये नही है। मैं लडकों और लडकियों के साथ बिल्कुल बराबरी के दर्जे का बर्ताव चाहूंगा'' आज 9 दशक बाद भी गांधीजी के विचारों की प्रासंगिकता यथावत है।

डॉ अंशु केडिया

कार्यक्रम के अंत में डॉ अंशु केडिया प्राचार्य, खुनखुनजी महाविद्यालय लखनऊ ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमें 8 मार्च को ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में भी महिलाओं के प्रति अपने प्यार और सम्मान का इजहार करना चाहिए। प्रत्येक पुरूष और नारीत्व की सराहना करनी चाहिए। क्योंकि वे हमारे जीवन में इतना विशेष योगदान देती है, साथ ही महिलाओं को अपनी शक्ति का एहसास होना चाहिए।

Press Release:

महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रहीं: प्रो. चंद्रा

सिटी रिपोर्टर | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर डीबी गर्ल्स कॉलेज और खुन-खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज लखनऊ के द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। "एक स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता" विषय पर यह वेबिनार आयोजित था। वेबिनार के पहले सत्र में लखनऊ विवि के महिला अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राकेश चंद्रा ने कहा कि हमें महिलाओं के समाज में उनके योगदानों को तात्कालिक परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रहीं, लेकिन उन्हें कभी प्रमुखता नहीं दी गई। वेबिनार के दूसरे सत्र में बीयूसी कॉलेज, बटाला पंजाब की समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रजनी बाला ने कहा कि पुरुषों को समाज में उच्च स्थान मिला है, जबकि महिलाएं हमेशा वस्तु समझी जाती रही हैं। डीबी गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ किरण गजपाल, डॉ श्रद्धा गिरोलकर, डॉ प्रीति शर्मा, डॉ ऊषाकिरण आदि उपस्थित रहे।

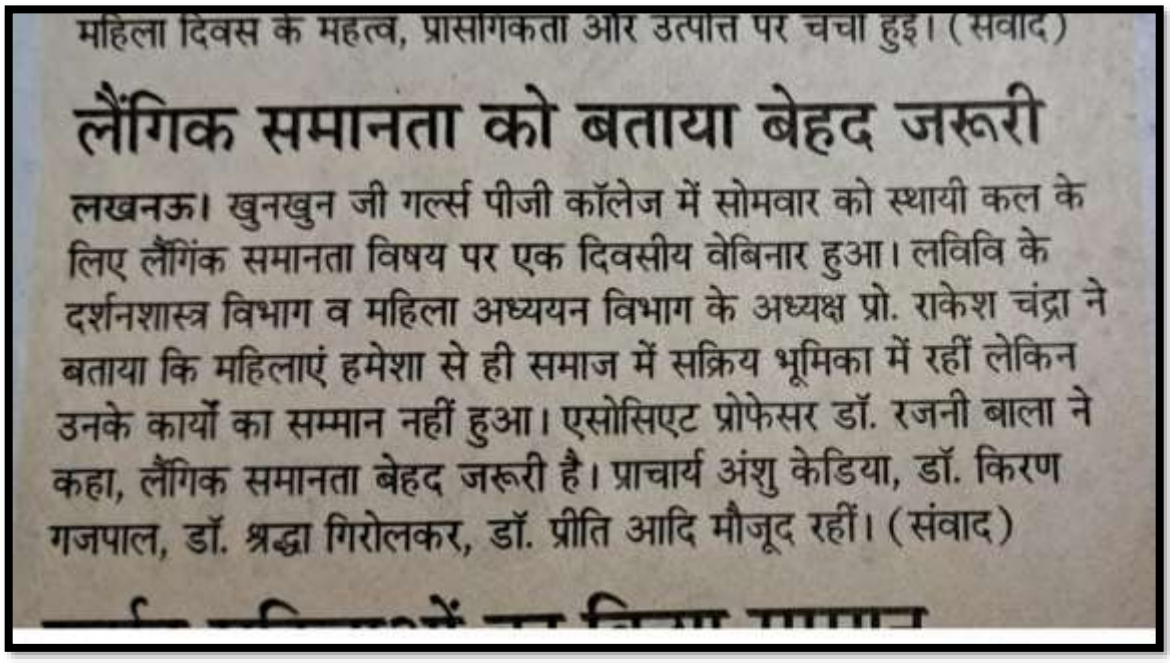

महिला दिवस के महत्व, प्रासंगिकता और उत्पत्ति पर चर्चा हुई। (संवाद)

लैंगिक समानता को बताया बेहद जरूरी

लखनऊ। खुनखुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में सोमवार को स्थायी कल के लिए लैंगिंक समानता विषय पर एक दिवसीय वेबिनार हुआ। लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग व महिला अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रहीं लेकिन उनके कार्यों का सम्मान नहीं हुआ। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रजनी बाला ने कहा, लैंगिक समानता बेहद जरूरी है। प्राचार्य अंशु केडिया, डॉ. किरण गजपाल, डॉ. श्रद्धा गिरोलकर, डॉ. प्रीति आदि मौजूद रहीं। (संवाद)

पत्रिका
raipur. tuesday 07/03/2023

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज :

समाज में महिलाओं की सक्रिय भूमिका, लेकिन उन्हें हाशिए पर रखा

पत्रिका plus रिपोर्टर

रायपुर. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को डिग्री और लखनऊ के खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज ने एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में एक स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता विषय पर वक्ताओं ने व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश चंद्रा ने कहा, महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रही, लेकिन उनके कार्यों का कभी सम्मान नहीं किया गया और ना ही प्रमुखता दी गई, बल्कि उन्हें हमेशा हाशिए पर रखा गया।

पुरुषों को समाज में उच्च स्थान

पंजाब के बीयूसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रजनी बाला ने नारीवाद की विभिन्न धाराओं और आंदोलन के कई स्वरूपों की चर्चा की। उन्होंने कहा, पुरुषों को समाज में उच्च स्थान मिला है जबकि महिलाएं हमेशा वस्तु समझी जाती रही है। समाज में आज भी सारे निर्णय पुरुषों के द्वारा लिए जाते हैं। महिलाओं का ये संघर्ष पुरुषों से नहीं बल्कि समाज सुधारने का एक एजेंडा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकार दिलाना और समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने यूरोपीय और वैश्विक नारीवाद आंदोलन में अंतर भी स्पष्ट किया। प्राचार्य किरण गजपाल ने कहा, नारी सशक्त है उसे प्रदर्शन के लिए अवसर मिलना चाहिए। आईक्यूएसी प्रभारी ऊषाकिरण अग्रवाल ने आंकड़ों के आधार पर महिला शक्ति का परिचय दिया। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रद्धा गिरोलकर ने कहा, वैश्विक विकास के लिए लैंगिक समानता जरूरी है। मनीषा महापात्र ने कहा, मातृ शक्ति तो स्वयंसिद्ध है ,वह गुणों की संपदा है ,आवश्यकता है तो बस उसे प्रोत्साहन देने का। कार्यक्रम में प्रो. अंशु केडिया समेत प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्राएं शामिल हुए।

समाज में महिलाओं की सक्रिय भूमिका, लेकिन उन्हें हाशिए पर रखा

पत्रिका plus रिपोर्टर

रायपुर. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को डिग्री और लखनऊ के खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज ने एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में एक स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता विषय पर वक्ताओं ने व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश चंद्रा ने कहा, महिलाएं हमेशा से ही समाज में सक्रिय भूमिका में रही, लेकिन उनके कार्यों का कभी सम्मान नहीं किया गया और ना ही प्रमुखता दी गई, बल्कि उन्हें हमेशा हाशिए पर रखा गया।

पुरुषों को समाज में उच्च स्थान

पंजाब के बीयूसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रजनी बाला ने नारीवाद की विभिन्न धाराओं और आंदोलन के कई स्वरूपों की चर्चा की। उन्होंने कहा, पुरुषों को समाज में उच्च स्थान मिला है जबकि महिलाएं हमेशा वस्तु समझी जाती रही है। समाज में आज भी सारे निर्णय पुरुषों के द्वारा लिए जाते हैं। महिलाओं का ये संघर्ष पुरुषों से नहीं बल्कि समाज सुधारने का एक एजेंडा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकार दिलाना और समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने यूरोपीय और वैश्विक नारीवाद आंदोलन में अंतर भी स्पष्ट किया। प्राचार्य किरण गजपाल ने कहा, नारी सशक्त है उसे प्रदर्शन के लिए अवसर मिलना चाहिए। आईक्यूएसी प्रभारी ऊषाकिरण अग्रवाल ने आंकड़ों के आधार पर महिला शक्ति का परिचय दिया। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रद्धा गिरोलकर ने कहा, वैश्विक विकास के लिए लैंगिक समानता जरूरी है। मनीषा महापात्र ने कहा, मातृ शक्ति तो स्वयंसिद्ध है ,वह गुणों की संपदा है ,आवश्यकता है तो बस उसे प्रोत्साहन देने का। कार्यक्रम में प्रो. अंशु केडिया समेत प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्राएं शामिल हुए।

Webinar Glimpse:

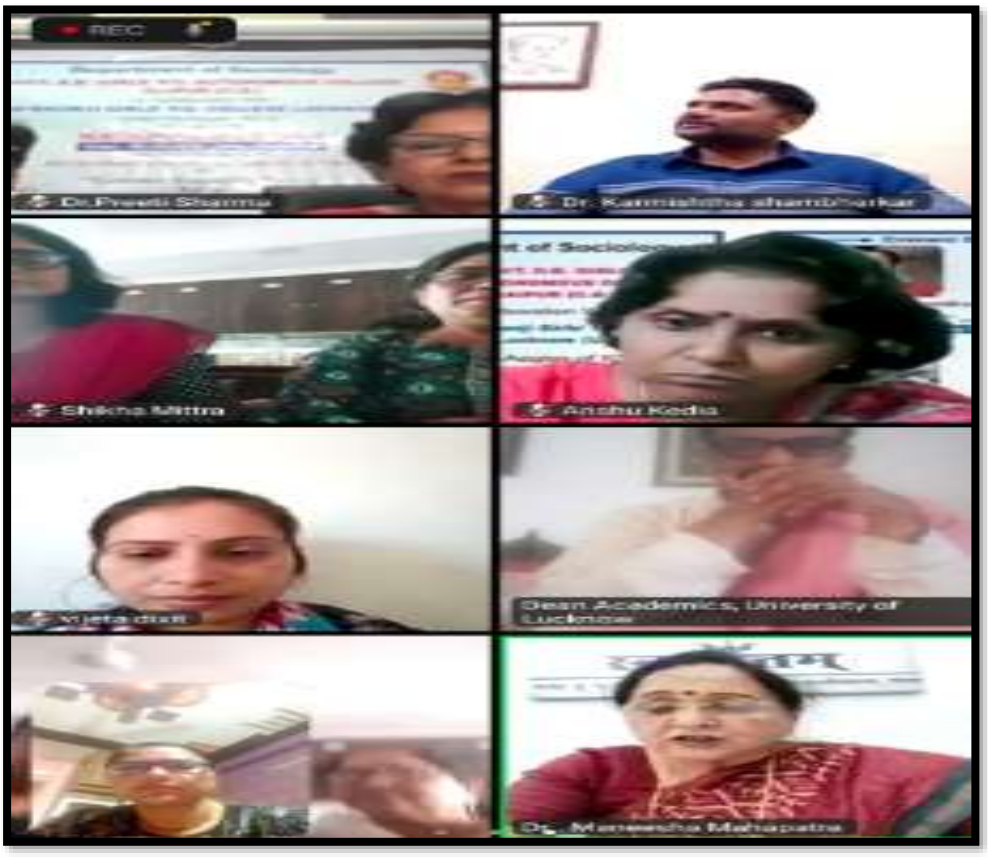

Attendance List:

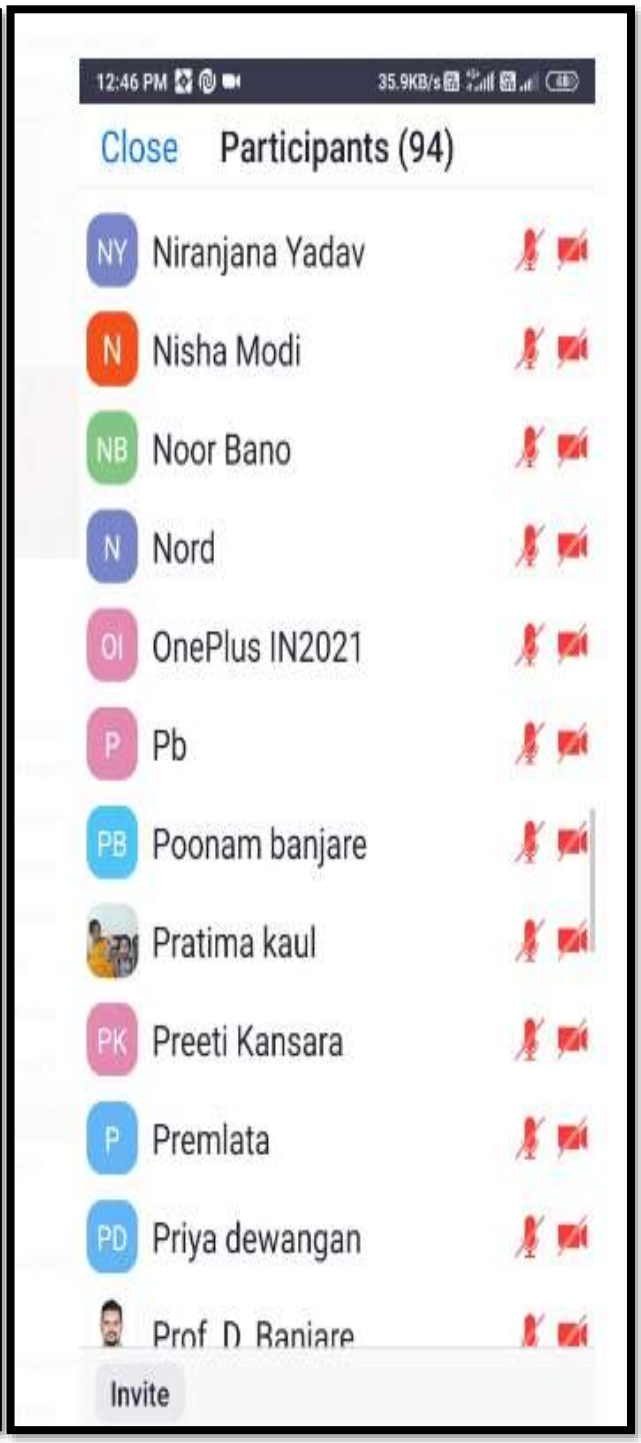

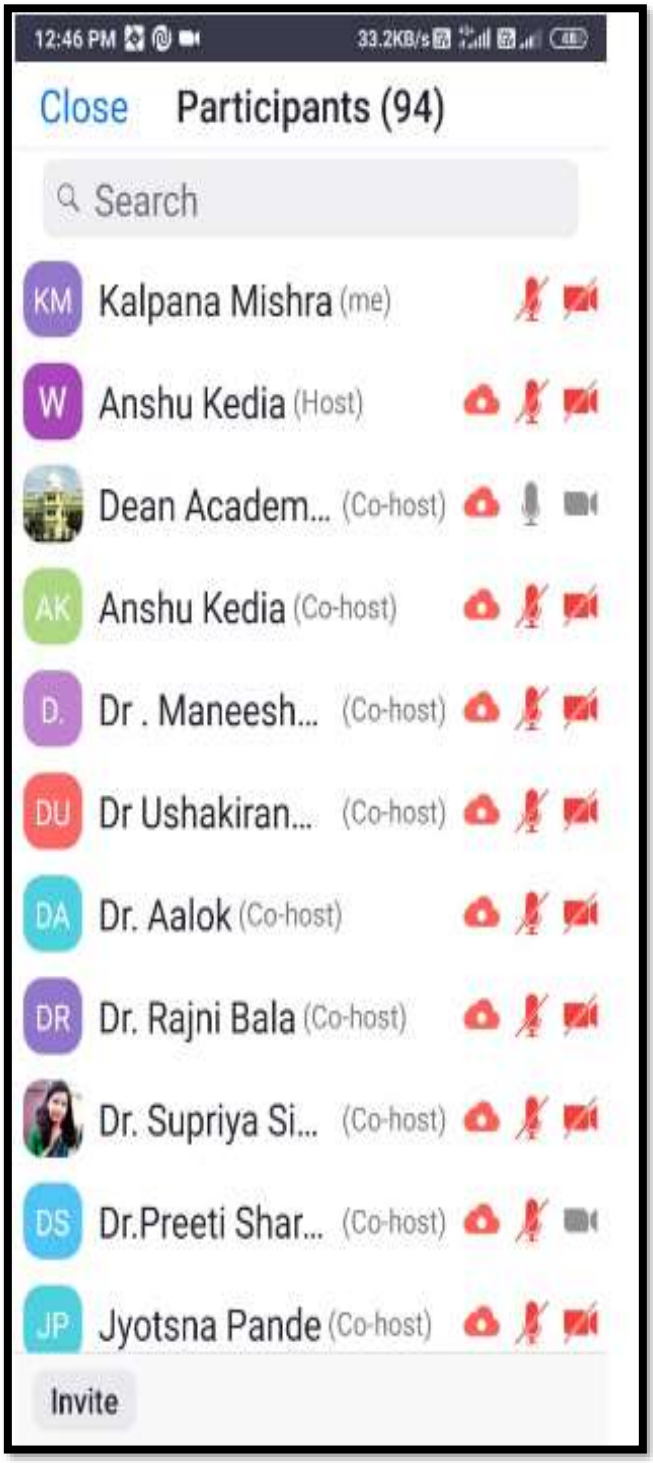
12:46 PM
33.2KB/s
Close
Participants (94)
Search
KM Kalpana Mishra (me)
W Anshu Kedia (Host)
Dean Academ... (Co-host)
AK Anshu Kedia (Co-host)
D. Dr . Maneesh... (Co-host)
DU Dr Ushakiran... (Co-host)
DA Dr. Aalok (Co-host)
DR Dr. Rajni Bala (Co-host)
Dr. Supriya Si... (Co-host)
DS Dr.Preeti Shar... (Co-host)
JP Jyotsna Pande (Co-host)
Invite

12:46 PM
35.9KB/s
Close
Participants (94)
SC Sweety chandrakar
S Sweta
V Vighneshwar
VS VK Sahu
DK Dr.Anil Kumar
D Dr.T.S.Sonwani
DV Dr.Vasu Verma
K Kanchan Masram
MJ Manisha Jaiswal(Jagdish y...
MP Meena Pathak
PA Poonam Ahuja
RD Rashmi Dubey
Invite